



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 192]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 10, 1977 वैशाख 20, 1899

No. 192]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 10, 1977/VAISAKHA 20, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Textiles)

ORDER

New Delhi, the 10th May 1977

S.O. 322 (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, namely —

1 (1) This Order may be called the Cotton Textiles (Control) Amendment Order, 1977.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2 In the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, in sub-clause (1) of clause 20D,—

(i) for the words “man-made cellulosic and non-cellulosic staple fibre”, the words “non-cotton fibre” shall be substituted,

(ii) the Explanation shall be numbered as Explanation 1 and after the Explanation as so numbered, the following shall be inserted, namely :—

Explanation II—For the purposes of this sub-clause “non-cotton fibre” means man-made cellulosic or non-cellulosic staple fibre or both.

(1899)

Explanation III—For the removal of doubts it is hereby cleared that all yarn produced in a quarter need not necessarily have an admixture of non-cotton fibre along with cotton fibre and it will be sufficient if the total consumption of all fibres in the production of yarn in a quarter includes a quantity of not less than ten per cent of non-cotton fibre”.

[No 12/43/78-CTM]

R. RAMAKRISHNA, Jt. Secy

वाणिज्य, नागरिक पूति तथा सहकारिता मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 10 मई, 1977

का० आ० 322(अ).— केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् —

1. (1) इस आदेश का नाम सूती वस्त्र (नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1977 है।
(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।
2. सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 20 के उप-खण्ड (1) में,—
(i) “कृत्रिम सैल्यूलोसी और असैल्यूलोसी स्टेपल तन्तु” शब्द के स्थान पर “गैर सूती तन्तु” शब्द रखे जाएंगे;
(ii) स्पष्टीकरण को स्पष्टीकरण 1 के रूप में संख्याकित किया जाएगा और इस प्रकार संख्याकित स्पष्टीकरण के पश्चात् निम्नलिखित अन्त स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण 2.—इस उपखण्ड के प्रयोजनार्थ “गैर सूती तन्तु” से कृत्रिम सैल्यूलोस या असैल्यूलोसी स्टेपल तन्तु या दोनों अभिप्रेत हैं।

स्पष्टीकरण 3.—शंकाओं के निराकरण के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि यह आवश्यक नहीं है कि एक त्रैमास में उत्पादित समस्त धागे में सूती तन्तु के साथ-साथ गैर सूती तन्तु का अधिमिश्रण हो और यह पर्याप्त होगा यदि एक त्रैमास में धागे के उत्पादन में समस्त तन्तुओं के कुल उपयोजन में गैर सूती तन्तु की दस प्रतिशत से अन्यून मात्रा सम्मिलित है।”

[स० 12/43, 76—सी० टी० एम०]

आर० रामकृष्ण, सयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977